Paper - IV

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - IV

Time : 3 Hours **(Pages 09)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

20 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) समझकर लिखिए। **1**

i) इनमें छिपी हुई थी हिमालय की मुख्य हिमवती चोटियाँ -

ii) इस प्रकार बादलों का अवगुंठन उठाकर फैल गई थी हिमालय की मुख्य हिमवती चोटियाँ - **1**

इन भाँति-भाँति के लोगों के बीच...चुप! कुछ-कुछ सहमा - सा.....कुछ मंत्रमुग्ध मैं.....बार-बार उधर देखता हुआ जिधर हिमालय की मुख्य हिमवती चोटियाँ बादल और धुँधलके में छिपी हुई हैं, जो सिर्फ एक शाम को अकस्मात चमक उठी थीं । बादलों का अवगुंठन उठाकर रामगढ़ के उत्तर में बर्फ के फूलों के धनुष की तरह अर्द्धवृत्ताकार में फैल गई थीं । उस दिन से बादलों में जो छिपी तो फिर दीखी नहीं ..... पर मन में जाने कैसी प्यास भर गई । वहाँ उन सबों के बीच बैठा हुआ भी, मैं वहाँ नहीं था, उन्हीं अदृश्य घाटियों में भटक रहा था, उन्हीं खोई हुई शृंखलाओं की ओर चला जा रहा था...बिलकुल अकेला, जाने किस जादू से सब कुछ जैसे एक प्रतीक में बदल गया था। जिंदगी के गर्द-गुबार और धुँधलके को चीरकर वह कौन-सी ऊँचाइयाँ हैं जो अकस्मात चमककर फिर छिप जाती हैं और मेरा मन अकुला उठता है, उनकी ओर चल पड़ता है । एक निरंतर अथक यात्रा....चरैवेति चरैवेति..... चलते चलो, चलते चलो । उस दिन, उस दिन हिमालय मुझे अपना चिर-परिचित लगा था। जिसे मैं जाने कब से ढूँढ रहा था । जो यहाँ भूमि पर उदित होने से पूर्व जैसे मेरे मन की गहराइयों में अंतराल में सोया पड़ा था और जब से वे हिमालय की चोटियाँ यहाँ उग आईं तब से मन का वह हिस्सा रिक्त पड़ा है, खाली पड़ा है और तभी से वह हिमालय को खोज रहा है कि उसकी रिक्तता उसका खालीपन फिर भरा-भरा-सा हो जाए।

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) चरैवेति चरैवेति का अर्थ है -

(2) ये उस दिन से बादलों में जो छिपी तो फिर दीखी नहीं -

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

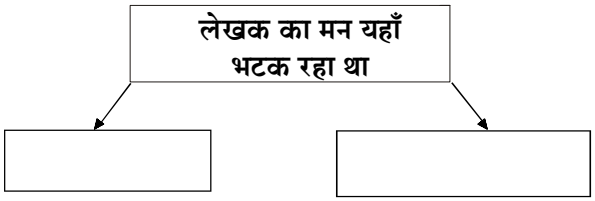

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) सुबह (2) अपरिचित

ii) **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए।** **1**

(1) बादल (2) ऊँचाई

4) **आपने आसमान में मँडराते हुए बादल जरूर देखे होंगे। उन्हें देखकर आपके मन में उठनेवाले विचारों को व्यक्त कीजिए।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **चौखट पूर्ण कीजिए।** **1**

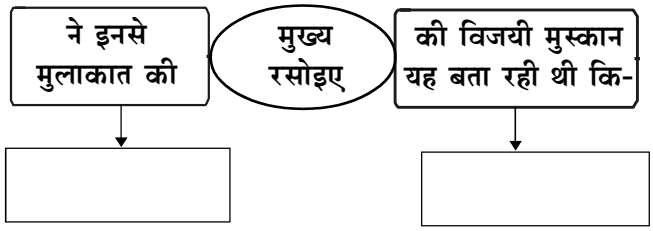

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) मंगली (2) मंत्रालय

मैनेजर का आदेश था कि सब कुछ ठीक से होना चाहिए । होटल के मालिक भी इस व्यवस्था को लेकर सतर्क थे। आखिर मंत्रालय से उनके संपर्क हैं, जिसके कारण यह मीटिंग उनके होटल में हो रही है । दूसरे उन्होंने युक्ति सुझाई कि किसी और होटल से इसका इंतजाम किया जाए, लेकिन इसमें दूसरे होटल को इसका श्रेय जा सकता था या इसका अपप्रचार भी हो सकता था । होटल की अपनी प्रतिष्ठा है और आजकल अखबार भी...ओफ... इनको सामग्री पता नहीं क्यों नहीं मिल पाती । वे ऐसी बातें जरूर छाप देते हैं । आखिर वहाँ पत्रकार भी होंगे । कोई विरोधी उनके कान में यह डाल सकता है ।

इतने में मुख्य रसोइए ने मैनेजर से मुलाकात की । प्रसन्न था वह । विजयी मुस्कान बता रही थी कि उसने कोई समाधान पा लिया है, ''सर, बात बन जाएगी ... मैंने मंगली से बात की....।''

मैनेजर ने चौंककर पूछा, ''यह मंगली कौन है?''

''सर, वह बर्तन माँजने वाली ।''

''आप निश्चिंत रहें सर....सब इंतजाम हो जाएगा।''

मैनेजर ने तुरंत होटल मालिक को बताया और सबने राहत की साँस ली ।

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) इनके संपर्क थे मंत्रालय से -

(2) सब कुछ ठीक से होना चाहिए इनका आदेश था -

ii) **सत्य /असत्य पहचान कर लिखिए ।** **1**

(1) मुख्य रसोइए का संपर्क मंत्रालय से है ।

(2) मंगली होटल में खाना बनाती है ।

3) i) **परिच्छेद में आए अंग्रेजी शब्दों के हिंदी शब्द लिखिए।** **1**

(1) मैनेजर (2) मिटिंग

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।** **1**

(1) चिंतित (2) अप्रसन्न

4) **'समाज में अभावग्रस्त समझे जाने वाले वर्ग का भी अपना महत्त्व होता है।' अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

1) **उचित विकल्प चुनकर लिखिए ।** **1**

i) **सबसे सरल एवं सशक्त साधन**.....

(क) समाचारपत्र है।

(ख) विज्ञापन है।

(ग) दूरदर्शन के न्यूज चैनल हैं।

ii) **आज दूरदर्शन पर समाचार देनेवाले-**

(क) सौ चैनल आ चुके हैं

(ख) दो चैनल आ चुके हैं

(ग) अनेक चैनल आ चुके हैं

वर्तमान युग में समाचारों को आम जनता तक पहुँचाने के सबसे सरल एवं सशक्त साधन दूरदर्शन के न्यूज चैनल हैं। ये विश्व के किसी भी कोने में घटित घटना की कुछ ही क्षणों में न केवल सूचना देते हैं, वरन् दृश्य भी प्रस्तुत कर देते हैं, पर आज दूरदर्शन पर समाचार देनेवाले अनेक चैनल आ गए हैं, जो चौबीसों घंटे चलते रहते हैं। वे बार-बार एक ही घटना को दोहराते हैं। यहाँ तक कि कुछ चैनल तो घटनाओं में अपनी ओर से नमक-मिर्च लगाने में भी पीछे नहीं रहते, जिससे कई बार जहाँ एक ओर दर्शक नीरसता का अनुभव करते हैं, वहीं गुमराह भी होते हैं। अत: इन चैनलों का यह उत्तरदायित्व है कि ये घटना के सच्चे स्वरूप को ही सामने लाएँ।

2) उत्तर लिखिए। **1**

न्यूज चैनलों का कार्य

3) न्यूज चैनलों का दायित्व इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 - पद्य **16 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(8)**

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

देश की बालकों से माँग

(1) ..... (2) .....

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।**

जय, विजय लिखने के स्थान -

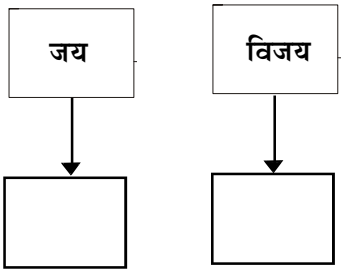

देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो ! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को।
शूरवीर बालको !
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को !
दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो,
तोड़ दो पिशाच के तुम हरेक जाल को।

2) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए : **2**

i) कवि ने बालकों को थामने के लिए कहा है .....
(देश की ज्वाला को /देश की ज्योत को /देश की मशाल को)

ii) अब पिशाच के जाल को तोड़ने की जिम्मेदारी .....
(शूरवीर बालकों की है / युवकों की है / कवि की है)

3) i) पद्यांश में प्रयुक्त विरुद्ध अर्थ के शब्द लिखिए : **1**

(1) आसमान × (2) लघु ×

ii) **पद्यांश में आए विरामचिह्नों के नाम लिखिए :** **1**

(1) ..... (2) .....

4) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **2**

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(8)**

1) i) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

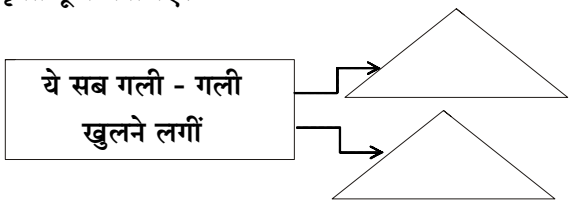

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) इस प्रकार आए मेघ -

(2) मेघ का मानवीकरण करने हेतु प्रयुक्त शब्द -

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

2) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

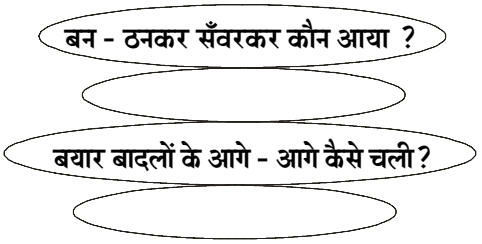

बन - ठनकर सँवरकर कौन आया ?

बयार बादलों के आगे - आगे कैसे चली?

ii) **प्रस्तुत पद्यांश में से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों-** **1**

(1) पाहुन

(2) दरवाजे - खिड़कियाँ

3) i) **लिंग पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) बयार (2) पाहुन

ii) **वचन बदलकर लिखिए।** **1**

(1) दरवाजे (2) खिड़कियाँ

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए -** **2**

"मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के,
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली।
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।"

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. **पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।** **(4)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1) आचार्य जी का कार्यस्थल →

(2) कहा - सुनी का नतीजा →

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) इनकी आपस में कहा-सुनी हुई थी ।

(2) आचार्य जी को इन्होंने समझाया ।

आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी झाँसी में रेलवे ऑफिस में कार्य करते थे। एक दिन किसी बात पर उनकी एक अंग्रेज अफसर से कहा–सुनी हो गई। द्विवेदी जी ने बिना समय गँवाए अपना इस्तीफा दे दिया। अंग्रेज अफसर ने ऐसा सोचा भी नहीं था। इसलिए अफसर और उनके मित्रों ने उन्हें काफी समझाया कि वे अपना इस्तीफा वापस ले लें, लेकिन वह टस–से–मस नहीं हुए। घर आने पर उन्होंने सारा किस्सा अपनी पत्नी को सुनाया, तो वह बोली, ''ठीक ही तो किया। भला थूककर भी कोई चाटता है !'' यह सुनकर द्विवेदी जी का स्वाभिमान जाग उठा और उन्होंने इस्तीफा वापस लिया ही नहीं।

4) 'स्वाभिमान इंसान का एक महत्त्वपूर्ण गहना है।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए :-** **½**

प्राचीन

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए :-** **½**

इस भवन में चालीस कमरे हैं ।

2) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए :-** **1**

पलाश में नई पत्ते निकल आती है ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

देना -

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए :-** **½**

मेरा मन गवारा नहीं कर पाया ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए :-** **1**

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्वितीय प्रेरणार्थक**
भूलना		

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए :-** **1**
और

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए :-** **1**
रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए :-** **2**
i) बहुत से नेता आए । (अपूर्ण वर्तमानकाल)
ii) समय आ गया । (पूर्ण भूतकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए :-** **1**
हृदय में घुल जाना

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-** **1**
(पैर पकड़ना, जान में जान आना, कमर कसना)
मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों को धीरज प्राप्त हुआ ।

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. सूचना :- आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है :- **(15)**

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए :- **5**

सरस्वती विद्यामंदिर, पूना को शिक्षक की आवश्यकता है। अत: पूना से सौरभ / रानी तिवारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक के नाम संबंधित पद के लिए आवेदन पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

सोनिया औषधि भंडार, राजीव चौक, जालंधर
आयुर्वेदिक औषधियाँ 50 % मूल्य में उपलब्ध
1. कायम चूर्ण
2. च्यवनप्राश
3. द्राक्षासव
4. शहद ..... आदि

उपर्युक्त विज्ञापन पढ़कर फिरोजपुर से रमेश / रमा पांडे विविध औषधियों की माँग करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । 5

रूपरेखा : लोमड़ी और सारस में मित्रता – लोमड़ी का सारस को सताने का विचार – दावत देना – थाली में खीर परोसना – लंबी चोंच – सारस का भूखा रहना – सारस का बदला लेना – लोमड़ी को दावत – सुराही में खीर परोसना – लोमड़ी का भूखा रहना – सीख ।

3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो । 5

शिक्षा मानव जीवन के विकास का प्रमुख आधार है । शिक्षाविहीन व्यक्ति पशु के समान जीवनयापन करता है । व्यक्ति में अच्छे संस्कार शिक्षा के माध्यम से ही आते हैं । शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक ज्ञान प्राप्त कर स्वयं तो अपना मार्ग बनाता ही है, साथ ही दूसरों का भी मार्गदर्शन करता है । शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है । नवीन पीढ़ी अथवा बालक एवं नवयुवक तो शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते रहे हैं । आवश्यकता है, प्रौढ़ों को शिक्षा प्रदान करने का अथवा 14 वर्ष की आयु से अधिक वाले वे सभी व्यक्ति जो अशिक्षित हैं । अथवा हम कह सकते हैं कि वे सभी व्यक्ति समय से शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके और न कर पा रहे हैं । शिक्षा के इतने प्रचार व प्रसार हो जाने पर भी व्यक्ति अपने धन का सही उपयोग नहीं कर पाता और न ही भोला - भाला किसान अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर पाता है । आज भी वह साहूकार अथवा ब्याज किश्तों के द्वारा आसानी से ठग लिया जाता है । स्वतंत्रता से पूर्व व्यक्ति की स्थिति शिक्षा कें क्षेत्र में बहुत खराब थी ।

प्र.6. प्रसंग लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

1) अस्सी-पचासी वर्ष की एक वृद्धा अपने सिर पर फलों की टोकरी लेकर रास्ते से जा रही थी । अचानक उसका सिर चकराने लगा और वह बेहोश होकर नीचे गिर गई । उसकी टोकरी के फल नीचे जमीन पर चारों और फैल गए । मैंने उसे नीचे गिरते हुए देखा.....

2) स्वमत लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

दूरदर्शन पर पुलिस विभाग तथा राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार के बारे में एक खबर मैंने सुनी । उसे सुनने के बाद मेरे मन में विचार आए....

3) किसी एक विषयपर निबंध लिखिए । (60 से 80 शब्दों में) 5

1) यदि समाचार पत्र न होते
2) परोपकार

Best Of Luck 👍